Skill Development Programme

For Answer Writing

World History (Model Answer)

DATE : 03-Aug-2018 **TIME : 06:30 pm**

मुख्य परीक्षा

प्र. यद्यपि कि जर्मनी के एकीकरण में प्रशा और बिस्मार्क की भूमिका महत्वपूर्ण थी, किन्तु इस एकीकरण के लिए अन्य कारक भी उत्तरदायी थे। चर्चा कीजिए। **(250 शब्द, 15 अंक)**

Although Prussia and Bismarck were having important role in the unification of Germany, but there were also other factors responsible for this unification. Discuss.

(250 World, 15 Marks)

MODEL ANSWER

उत्तर- जर्मनी का एकीकरण यूरोप में एक महत्वपूर्ण घटना थी, क्योंकि जहाँ एक ओर इसने अपने आप को मजबूत किया। वहीं इसने ब्रिटेन जैसे शक्तिशाली देश को भी विभिन्न क्षेत्रों में चुनौती पेश किया। इस एकीकरण में बिस्मार्क की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी, क्योंकि इसने अपने कूटनीति के माध्यम से जर्मनी के एकीकरण को सरल एवं संभव बनाया। जैसे- इसने आस्ट्रिया को कूटनीतिक दृष्टि से अलग-थलग कर तथा फ्रांस के शासक लूई नेपोलियन तृतीय को राइनलैण्ड का कुछ क्षेत्र देने का वायदा करके उसका विश्वास जीत लिया, जिससे सेडोवा के युद्ध में फ्रांस तटस्थ रहा और ऑस्ट्रिया की पराजय हुई। परिणामस्वरूप उत्तर जर्मन राज्यों का विलय प्रशा के साथ हो गया। इसी प्रकार सेडान के युद्ध में भी फ्रांस को पराजित किया, जिससे दक्षिणी जर्मन राज्यों के विलय में संयुक्त जर्मनी का निर्माण हो सका। परन्तु केवल बिस्माक के कूटनीति से ही जर्मनी का एकीकरण संभव नहीं था, इसके लिए अन्यकारक भी उत्तरदायी थे, जो इस प्रकार हैं-

- **वैचारिक एवं सांस्कृतिक कारक :** इसके लिए बहुत हद तक नेपोलियन के द्वारा जर्मन क्षेत्रों में किए गए सुधार उत्तरदायी हैं। जिसके साथ ही राष्ट्रवादी भावना का प्रसार हुआ। दार्शनिकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है, जैसे- हिमेल, जान हरडर आदि ने जर्मन राष्ट्रवाद को वैचारिक समर्थन दिया।
- **आर्थिक औद्योगिक कारक :** यद्यपि कि जर्मनी राजनीतिक रूप से विभाजित था, किन्तु कुछ कारकों जैसे- रेलवे का विकास जिससे विभिन्न राज्यों के मध्य भौगोलिक दूरी कम हो गई। फिर प्रशा में 19वीं सदी के आरम्भिक दशकों में औद्योगीकरण प्रारम्भ हो गया था और पूरे जर्मन क्षेत्रों में प्रशा सबसे शक्तिशाली था। इसलिए जर्मन राज्य चाहता था कि प्रशा नेतृत्व करे अंततः जर्मन राज्य ने प्रशा के साथ मिलकर चुंगी संघ की स्थापना किया, फिर ब्रिटिश पूंजीपतियों से प्रतिस्पर्धा के कारण जर्मन पूंजीपतियों ने भी एकीकरण का समर्थन किया।
- **राजनीतिक कूटनीतिक कारक :** यहाँ पर प्रशा बिस्मार्क की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि इनके प्रयासों के बिना शायद ही जर्मन का एकीकरण हो पाता। यहाँ पर बिस्मार्क ने कूटनीति का सहारा लेते हुए सेडोवा एवं सेडान के युद्ध के माध्यम से जर्मनी के एकीकरण को संभव बनाया।

इस प्रकार उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि जर्मनी के एकीकरण में प्रशा एवं बिस्मार्क की कूटनीति के अतिरिक्त अन्य कारक भी उत्तरदायी थे।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

* * *